TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4492**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥६०॥ श्री जिनाय नमः॥ ततः श्रीमुनिनां कृतं चक्रुतिनातकोऽस्मिन् खंडनं [illegible] समर्थ [illegible] विद्व [illegible] यत्न [illegible] कर्म
[illegible] तर्केतां [illegible] मात्रिविशेषादाद्धा विस्वभाव [illegible] प्रकार [illegible] कारणतया विद्यावतो [illegible] ॥ नचु [illegible] क्रियत ततक [illegible] मति [illegible]
[illegible] तो द्विवद [illegible] यामं [illegible] सत्यादाया [illegible] माद्या कर्म [illegible] समा [illegible] नद्वि [illegible] विवद [illegible] कर्म [illegible] यामादया क्रियते । यामादा [illegible]
[illegible] वमि [illegible] साधनविय [illegible] क्रियत [illegible] त्यात्तन्तु [illegible] तस्या [illegible] ॥ न [illegible] ऊन्य [illegible]
[illegible] यामादिकमपि [illegible] विति [illegible] दि विशेषण विशेष्य संबंधा [illegible] दि [illegible] विचाकन [illegible] नामव [illegible]
[illegible] गमनं कालं तिद्विवद [illegible] यामंगच्छती [illegible] क्रिया [illegible] कामीति [illegible] दिवद [illegible] यामगमनक्रिया
[illegible] सामानाधिकरण्या [illegible] सामानाधि करण्य विशेष [illegible] नावनायामा [illegible] कर्म [illegible]
[illegible] कर्मेति [illegible] साधीयः ॥ अछिद्रं [illegible] मि [illegible] कर्मतो [illegible]
[illegible] नचता [illegible] भि त य [illegible] र्वे [illegible] सर्वादि [illegible]
[illegible] कर्म [illegible] त्वाः ना [illegible] गमन [illegible]
[illegible] कर्मे [illegible] करणा [illegible] मता [illegible]
[illegible] कर्मणः कर्थं [illegible] करः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] कर्म [illegible] करणं [illegible]
[illegible] आश्रय [illegible]
[illegible] सामाना [illegible] परम [illegible] स्यादा [illegible]
[illegible] करण [illegible]

[illegible] 1

नघापायकथना व्याकरणेः कायवाध्यनामिति संता वितनमात्र न्यायोनिबरणाः। घकशालकम्पितविविधग्रंथ संपरसमा
कविनारचाचारीभुरी नामी मामा पारावारात्र रण सन्नय उतिला नवीना। परिच्छयय कर्मलिक्रणा चाम्निवमस्य वस्था तिरि
कङ माल्व निमयान्यादि वदन्ता विदीति नाद्र दानि तिरिक अमादिय विवेका विनावरी चरा डुमरस्या भाविमायन। रवंकना
कमला ध्या यिना सुना याषु घटा ति श्य य यं खडन कमना नया यिन; ममाद्धधा क्रिया विषय ही कमंन घा। धा क्रिया
ताडि षयता चक्र विघा क्षा ट क वितय रायस्या। तत्रा मा न ड आ ना मी न्या प्ला डाम क्रिया विषयता साक्षा दि यास्मा दार तिक
ग्रियि तम्या तिश्च तपद्य वकिम ज्ञा निम न्यित्यिचा वा मित विषय उक्ता विन तत्वी र नु मित्य ड। न कन्या य पहु मिति क्रिया विषय नदा। व
[illegible] कर्मणिति कर्म लो द्वितीया यथा मं नद्रति। सा क्वाचिक्कि रद्वितीया त्यति क विक्षमा दघिर। घट कारा मिक्र [illegible]
दा व्रटपदस्य पाटानल क्पाया कपाल्य स्वरु इति ह पा क्रिया विषयता स्य कर्मीतायाम द गमन क्रिया ड न्यो
त्याग रूप वा या रानि मदाद्धा कस्तिमा याया तिषय [illegible] पि सं त्याग कत्रा नक विषय तया तिसर्व मा इत्सा कर्मोल
कारक यदीद्ध कमे द्वि तिथ्या तत्र वायि विवक्षान कार। का नि न वंता ति न तृक्षा चक। द्वितीया वि न [illegible]
[illegible]

2

[illegible]

2

[illegible]

[illegible] तथा यथा [illegible] करणे [illegible] इति तत्र [illegible]
तद्धः करणानां सादृश्यात् । एवमन्यत्रापूर्व्वान्याय्यं । मध्ये [illegible] श्रूयमाणत्वादिति [illegible] करणे [illegible]
स्यां । यत्र [illegible] कीदृशस्ताद्व्यापारी । [illegible] व [illegible] अत्र [illegible]
[illegible] प्रत्ययानामिति [illegible] व [illegible] संक्षेपः [illegible]
[illegible] तत्समवदात [illegible] युक्तं श्रुतं [illegible] संप्रदानं [illegible]
[illegible] क्रियायामर्थिता । [illegible] दृष्टान्ता [illegible]
[illegible] संप्रदानं [illegible] । तथा [illegible] संप्रदानं [illegible]
[illegible] संप्रदानं [illegible]
[illegible] संप्रदानं तथा करणं कृच्यते । तत्र संप्रदान [illegible]
[illegible] इति किं [illegible] ददाति [illegible]
[illegible] इति नियमः । [illegible]

2